पंचपरगनिया
(मातृभाषा)
(Arts,Science, Commerce)

निर्धारित पाठ्य–पुस्तक

गद्य भिनु–भिनु डाइर (प्रो दीनबंधु महतो) –15 अंक

पाठ – पंचपरगनिया भाषा साहित केर विकास, विदुमनी सिखान, व्यास देव केर काथा, तिन संगी, बुड़ कुड़िया, नक्षत्र संबंधी काथा,– ध्रुव, वनदेवता, भाँवरा खेइल, चाँवरा–भाँवरा

बांबरा – (प्रो दीनबंधु महतो, प्रो परमानन्द महतो)

पाठ – गणेष बंदना, अर्जुन के दस नाम का रहस्य, अर्जुन का अज्ञातवास में परिचय देना, चक्रव्यू हके शोक में अभिमन्यु का विलाप, अभिमन्यु के शोक में अर्जुन का विलाप, कुरूक्षेत्र में अर्जुन और कृष्ण में वार्ता, आधुनिक गीत, ईष्वर के दस अवतार, चैतन्य काव्य, षिक्षा।

पंचपरगनिया भाषा– (परमानन्द महतो) –10 अंक

पाठ – भाषा, मूल भाषा के भिन्न–भिन्न रूप, पांचपरगना और पंचपरगनिया, पंचपरगनिया बोली, विभाषा या भाषा, पंचपरगनिया में बंगला का प्रभाव

आदर्ष पंचपरगनिया व्याकरण – (डॉ करमचन्द्र अहीर) –10 अंक

पाठ – सार्थक शब्द केर भेद, सर्वनाम, लिंग, कारक, क्रिया लेक बिसेसन, अनेक शब्द केर बदले एक शब्द, जान कहनी, कहावत, निबंध ।